



## नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2024

### प्रलिस के लिये:

[इलेक्ट्रिक वाहन](#), [मेक इन इंडिया अभियान](#), [प्रोडक्शन लकिड इंसेंटिव](#), [FAME I और II](#), इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (EMPS) 2024

### मेन्स के लिये:

इलेक्ट्रिक वाहन चुनौतियाँ, सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप, संसाधन जुटाना

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

## चर्चा में क्यों?

एक महत्वपूर्ण विकास की दशा में, भारत सरकार ने भारत को [इलेक्ट्रिक वाहन](#) के लिये एक प्रमुख वनिरमाण केंद्र के रूप में स्थापति करने के उद्देश्य से एक रणनीतिक योजना को हरी झंडी दी है।

- यह पहल न केवल देश की तकनीकी शक्ति को बढ़ाने के लिये है, बल्कि [मेक इन इंडिया](#) अभियान को सुदृढ़ करने के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप भी है।

## क्या है केंद्र की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति?

### नीति के मुख्य तथ्य:

#### EV आयात के लिये शुल्क में कटौती:

- इस नीति में सीमा शुल्क दर को घटाकर 15% कर दिया गया है (पूरी तरह से नॉकड डाउन- CKD इकाइयों पर लागू) 5 वर्ष की कुल अवधि के लिये 35,000 अमेरिकी डॉलर या उससे अधिक के न्यूनतम CIF (लागत, बीमा और माल टुलाई) मूल्य वाले EV पर लगाया जाएगा।

#### आयात सीमा और नविश आवश्यकताएँ:

- कम शुल्क वाले आयात की अनुमति देते हुए, यह नीति आयातित EV की संख्या प्रतिवर्ष 8,000 तक सीमति करती है।
- शुल्क रियायतों का लाभ उठाने के लिये नरिमाताओं को न्यूनतम 4,150 करोड़ रुपए (~USD 500 मिलियन) का नविश करना होगा।

- अधिकतम नविश की कोई सीमा नहीं है, जिससे क्षेत्र में पर्याप्त पूंजी नविश को प्रोत्साहन मलित है।

#### वनिरमाण और मूल्य संवर्द्धन आवश्यकताएँ:

- स्थानीय वनिरमाण को बढ़ावा देने के लिये कंपनियों को 3 वर्ष के भीतर परचालन सुवधिएँ स्थापति करनी होंगी और उसी अवधि के भीतर 25% का न्यूनतम घरेलू मूल्यवर्द्धन (DVA) हासलि करना होगा, जो भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा अनुमोदन-पत्र जारी होने की तारीख से 5 वर्ष के भीतर 50% तक बढ़ जाएगा।
- DVA मूल्य का एक प्रतिशत हसिसा है जो उस मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है जो एक अर्थव्यवस्था नरियात के लिये उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं में जोड़ती है।

#### अधिकतम आयात भत्ता:

- यदि नविश 800 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है, तो 40,000 EV तक आयात कया जा सकता है, प्रतिवर्ष 8,000 से अधिक नहीं।
- कंपनियों कसि भी अपरयुक्त वार्षिक आयात सीमा को आगे बढ़ा सकती हैं।

#### शुल्क सीमा:

- आयातित EV पर माफ कयि गए कुल शुल्क की सीमा नविश पर या 6484 करोड़ रुपए [ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स के लिये प्रोडक्शन लकिड इंसेंटिव योजना के तहत प्रोत्साहन के बराबर](#)), जो भी कम हो, तक सीमति होगी।

#### ◦ बैंक गारंटी:

- बैंक गारंटी केवल DVA का 50% हासिल करने और कम-से-कम 4,150 करोड़ रुपए अथवा 5 वर्ष की अवधि में छोड़े गए शुल्क के समान नविश करने पर, जो भी अधिक हो, वापस की जाएगी।

#### ▪ प्रमुख लाभ:

- यह नीति इलेक्ट्रिक वाहन प्रोद्योगिकी में नवाचार और प्रगति को प्रोत्साहित करती है।
- यह नीति सरकार के **मेक इन इंडिया अभियान** की भाँति स्वदेशी वनिर्माण को प्रोत्साहन देती है।
- इलेक्ट्रिक वाहन के उपयोग को बढ़ावा देते हुए यह नीति किच्चे तेल के आयात को कम करने और व्यापार घाटे को कम करने में मदद करती है।
- इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से विशेषकर शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने में मदद मिलती है।
  - यह नई **EV नीति वर्ष 2030** तक उत्सर्जन की तीव्रता को **45%** तक कम करने और **वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन** प्राप्त करने के **भारत के जलवायु लक्ष्यों** के अनुरूप है।
- स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव।

#### ▪ प्रभाव:

- इस नीति का लक्ष्य नविश प्रोत्साहन और आयात शुल्क में कटौती की प्रस्तुतिकरते हुए Tesla जैसे विश्व प्रमुख अभिकर्ताओं को आकर्षित करना है।
  - Tesla, Inc., सहित EV के वैश्विक निर्माता भारत में वनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिये **प्रशुल्क रियायतों की अनिवार्यता** की मांग कर रहे थे।
  - नई नीति इस मांग को प्रभावी ढंग से पूरा करती है जो EV क्षेत्र में वदेशी नविश आकर्षित करने के लिये भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- **भारत वर्तमान में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाज़ार** और सबसे प्रगतिशील बाज़ारों में से एक है तथा EV क्षेत्र ऑटोमोटिव उद्योग के अंतर्गत एक प्रमुख श्रेणी के रूप में उभरने के लिये तैयार है।
  - **भारत की GDP** में ऑटोमोटिव क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान **इसके रणनीतिक महत्त्व को रेखांकित करता है।**

## भारत में EV बाज़ार

- नियामक परिवर्तनों के बावजूद **वर्ष 2024** में EV की बिक्री में **45% की वृद्धि** के साथ भारत के EV बाज़ार में तेज़ी से वृद्धि देखी जा रही है।
- **वर्ष 2023 के अंत तक** EV की कुल पंजीकरण **1.5 मिलियन यूनिट** से अधिक रही जो वगित वर्ष में हुए 1 मिलियन के पंजीकरण में हुई उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।
- EV पंजीकरण में वृद्धि से **भारत की कुल EV बिक्री में 6.3% की वृद्धि** हुई जो EV के उपयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत देता है।
- अंततः चरणबद्ध तरीके से सब्सिडी समाप्त करने की सरकार की योजना से प्रोत्साहित होकर, भारतीय वाहन निर्माता वदियुतीकरण में पर्याप्त नविश कर रहे हैं।

## भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों से संबंधित अन्य पहल क्या हैं?

#### ▪ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रोत्साहन योजना (EMPS) 2024:

- भारत सरकार ने **इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों (e2W)** और **तपिहिया वाहनों (e3W)** की खरीद को बढ़ावा देने के लिये EMPS 2024 पेश किया। 500 करोड़ रुपए के कुल परवियय के साथ, यह योजना **FAME-2 योजना को प्रतस्थापित करेगी** और अप्रैल से जुलाई 2024 तक प्रभावी रहेगी, उसके बाद इसमें परिवर्तन अथवा वसितार किये जाने की संभावना है।
  - इसका मुख्य उद्देश्य उद्योग की सब्सिडी पर निर्भरता को धीरे-धीरे कम करते हुए **e2Ws और e3Ws को अपनाने हेतु प्रोत्साहन देना है।**
    - FAME-II के तहत कीमत में 15% की कमी के बाद, सब्सिडी अब केवल अधिकतम 10,000 रुपए प्रति e2W के लिये उपलब्ध है और साथ ही अब यह बैटरी क्षमता 5,000 रुपए प्रति किलोवाट-घंटे तक सीमित है। इसके 3,33,387 e2W को कवर करने का अनुमान है।
  - इस योजना में इलेक्ट्रिक **चार पहिया वाहन (e4Ws)** एवं **ई-बसें शामिल नहीं हैं।**

#### ▪ चरणबद्ध वनिर्माण कार्यक्रम (PMP):

- भारी उद्योग मंत्रालय ने समय के साथ **इलेक्ट्रिक वाहनों एवं उनके घटकों के स्वदेशी वनिर्माण को बढ़ावा देने के लिये** एक PMP की शुरुआत की है।
- स्थानीय वनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिये एक वर्गीकृत शुल्क संरचना की कल्पना की गई है।

#### ▪ परिवर्तनकारी गतिशीलता और भंडारण पर राष्ट्रीय मशिन

- मशिन का उद्देश्य **इलेक्ट्रिक वाहनों, इलेक्ट्रिक वाहन घटकों एवं बैटरियों के लिये परिवर्तनकारी गतिशीलता तथा चरणबद्ध वनिर्माण कार्यक्रमों के लिये रणनीतियों को विकसित करना है।**

#### ▪ EV30@30 अभियान:

- भारत उन मुट्ठी भर देशों में से एक है जो वैश्विक **EV30@30 अभियान** का समर्थन करता है, जिसका लक्ष्य वर्ष **2030 तक कम-से-कम 30% नए वाहन बिक्री को इलेक्ट्रिक बनाना है।**

#### ▪ हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेज़ी से अपनाना और वनिर्माण करना - I और II

- [ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स के लिये प्रोडक्शन लकिड इंसेंटिव योजना](#)
- [राष्ट्रीय वदियुत गतशीलता मशिन योजना](#)

## भारत में EV बाज़ार के लिये चुनौतियाँ क्या हैं?

- **चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर:**
  - **सीमिति उपलब्धता:**
    - पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन नहीं हैं, विशेष रूप से बड़े शहरों के बाहर।
    - इससे पहुँच की कमी प्रदर्शित होती है और कई EV मालिकों के लिये लंबी दूरी की यात्रा अव्यवहारिक हो जाती है।
  - **उच्च स्थापना एवं रखरखाव लागत:**
    - चार्जिंग स्टेशन स्थापति करने के लिये महत्वपूर्ण नविश की आवश्यकता होती है और उनके रखरखाव से परचालन लागत भी बढ़ जाती है।
    - इससे नविश करने के इच्छुक ऑपरेटरों की संख्या सीमिति हो सकती है, जिससे बुनियादी ढाँचे के विकास में बाधा आ सकती है।
  - **रेंज की चिंता और लंबे समय तक चार्जिंग:**
    - चार्जिंग स्टेशनों की सीमिति उपलब्धता, **गैसोलीन वाहनों की तुलना में EV की अपेक्षाकृत कम ड्राइविंग रेंज** के साथ संभावित खरीदारों के लिये चिंता उत्पन्न करती है। गैस टैंक भरने में तुरंत समय लगता है जबकि EV को चार्ज करने में घंटों लग सकते हैं।
- **लागत:**
  - **EV की उच्च अग्रिम लागत:**
    - **बैटरी और प्रौद्योगिकी लागत के कारण इलेक्ट्रिक वाहन स्वयं तुलनीय गैसोलीन मॉडल की तुलना में अधिक महँगे हैं।** बजट के प्रति जागरूक भारतीय उपभोक्ताओं के लिये यह एक बड़ी बाधा है।
  - **बैटरी की उच्च लागत:**
    - बैटरी तकनीक अभी भी विकसित हो रही है, साथ ही **उत्पादन लागत अभी भी ऊँची** बनी हुई है। इसका EV की कुल कीमत पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।
- **ग्राहक सहायता एवं जागरूकता:**
  - **सेवा विकल्पों का अभाव:**
    - EV के लिये सेवा नेटवर्क अभी भी विकसित हो रहा है। EV के लिये **प्रशिक्षित तकनीशियन एवं सेवा केंद्र ढूँढना** कुछ मालिकों के लिये चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
  - **उपभोक्ता जागरूकता का अभाव:**
    - कुछ संभावित EV खरीदार इलेक्ट्रिक वाहनों के लाभों से परिचित नहीं हो सकते हैं अथवा उनके बारे में गलत धारणाएँ हो सकती हैं।
    - इससे उन्हें गैसोलीन से स्वचि करने के लिये मनाना कठिन हो सकता है।
- **आपूर्ति शृंखला और नीति:**
  - **आपूर्ति शृंखला चुनौतियाँ:**
    - भारत लथियम और कोबाल्ट जैसे **महत्वपूर्ण EV घटकों** के लिये आयात पर निर्भर है। वैश्विक आपूर्ति शृंखला में व्यवधान EV उत्पादन और लागत को प्रभावित कर सकता है।
  - **नीतिगत अनश्चितता:**
    - सरकारी नीतियाँ और नियम स्थिर नहीं हैं। इससे वाहन निर्माताओं तथा उपभोक्ताओं के लिये भविष्य की योजना बनाना मुश्किल हो सकता है।
    - हालाँकि EMPS जैसी हालिया पहल का उद्देश्य कुछ स्थिरता प्रदान करना और EV अपनाने को प्रोत्साहित करना है, हालाँकि दीर्घकालिक प्रभाव देखा जाना बाकी है।
  - **सब्सिडी पर निर्भरता:**
    - जबकि EMPS 2024 जैसी पहल EV की अग्रिम लागत को कम करने में मदद कर सकती है, **सब्सिडी पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य में कम होने या चरणबद्ध होने पर बाज़ार में अनश्चितता उत्पन्न कर सकती है।**
- **अन्य चुनौतियाँ:**
  - **अनश्चित उपभोक्ता व्यवहार:** EV के दीर्घकालिक आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ स्पष्ट हैं, लेकिन यह अनश्चित है कि **उपभोक्ता इस नई तकनीक को कतिनी जल्दी अपनाएँगे।**
  - **मानकीकरण का अभाव:** मानकीकृत चार्जिंग प्रोटोकॉल की कमी उपभोक्ताओं के लिये भ्रम पैदा कर सकती है और विभिन्न EV मॉडल तथा चार्जिंग स्टेशनों के बीच अंतर-संचालनीयता को सीमिति कर सकती है।

## आगे की राह

- अवकिसति बुनियादी ढाँचे की चुनौतियों का समाधान करने के लिये शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में **चार्जिंग बुनियादी ढाँचे** के नेटवर्क का वसितार करना। बढ़ती EV मांग को पूरा करने हेतु **हाई-स्पीड, वाणजियकि-ग्रेड चार्जर** में नज्जि नविश को प्रोत्साहित करना।
  - सरकार की योजना **केंद्रीय बजट 2022** में घोषित **बैटरी स्वैपिंग पॉलिसी** को लागू करने की है, जिससे चार्जिंग बुनियादी ढाँचे को बढ़ाया जा सके।
  - इस नीति में डसिचार्ज की गई बैटरियों को पूरी तरह से चार्ज की गई बैटरियों से बदलना शामिल है, जिससे EV चार्जिंग पारंपरिक वाहनों में ईंधन भरने जतिनी तेज़ हो जाएगी।
- EV ड्राइविंग रेंज में सुधार के लिये **हल्के और उच्च ऊर्जा घनत्व वाली बैटरियों** में नज्जि क्षेत्र के नवाचार को बढ़ावा देना। बैटरी प्रौद्योगिकी

अनुसंधान और विकास हेतु प्रोत्साहन तथा टैक्स क्रेडिट प्रदान करें।

- जनता को इलेक्ट्रिक वाहनों के लाभों और सतत परिवहन विकल्पों में परिवर्तन के महत्त्व के बारे में सूचित करने के लिये शैक्षिक अभियान चलाना।
  - EV तक आसान पहुँच की सुविधा और परिवर्तन के प्रतिरोध को कम करने के लिये **आकर्षक पट्टे तथा करियाे की योजनाएँ** प्रस्तुत करना।
- EV और चार्जिंग बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये नयामक ढाँचे एवं मानकों को लागू करना।
- बेड़े परबंधन प्रणालियों और चार्जर परबंधन प्लेटफॉर्मों सहित EV पारस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिये **स्मार्ट डिजिटल समाधानों** को अपनाने को बढ़ावा देना।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????:**

प्रश्न. दक्ष और कफियाती (ऐफोरडेबल) शहरी सार्वजनिक परिवहन किस प्रकार भारत में दुरुत आर्थिक विकास की कुंजी कैसे हैं? (2019)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/new-electric-vehicle-policy-2024>

